ये अव्यक्त इशारे

ईच्छा मात्रम् अविद्या की स्थिति का अनुभव करो और कराओ

1-09-2024

"इच्छा मात्रम् अविद्या" -यह स्थिति देवताओं की नहीं आप ब्राह्मणों की है क्योंकि देवताई जीवन में तो इच्छा वा न इच्छा का सवाल ही नहीं है। यहाँ इसकी नॉलेज है इसलिए ''इच्छा मात्रम् अविद्या की स्थिति में रहना" इसी को ही ब्राह्मण-जीवन कहा जाता है। इस ब्राह्मण जीवन में सर्व प्राप्ति सम्पन्न हो। सर्व की इच्छाओं को पूर्ण करने वाले कामधेनु हो।

Experience the state of *Ichchha Matram Avidya* **(stage of being ignorant of any knowledge of desire) and make others experience it.**

'Icchaamatraam Avidyaa' -stage of being ignorant of any knowledge of desire This is not the condition of deities but of you Brahmins because in the life of deities there is no question of desire or no desire. Here there is knowledge of this, therefore "living in the state of Icchaamatraam Avidyaa" is called Brahmin life. In this Brahmin life, you should be blessed with all attainments. You should be Kamadhenu who fulfills the desires of all.